प्राथमिक अंग्रेज़ी

शिक्षण का परिवेश

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेज़ी
श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेज़ी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को विद्यालय की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्रों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये *भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार* किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)।* मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है

http://creativecommons.org/licensses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह unit आपके classroom के environmental प्रिंट और प्रिंट enriched environment पर centered है।

Students के लिए literacy का पहला step वह होता है, जब वह इस बात से aware होने लगते हैं कि उनके चारों ओर दिखाई देने वाले प्रिंट में कोई–न–कोई अर्थ छिपा है। यह writing उनके daily life का एक important part है, और जब वे विद्यालय में आते हैं तो यही environmental प्रिंट उन्हें charts, notices, schedules, labels और हर तरह के study materials के रूप में दिखते हैं, जिसका उपयोग शिक्षक/शिक्षिका अंग्रेज़ी सिखाने के लिए कर सकते हैं।

इस इकाई की गतिविधियाँ आपको अपनी कक्षा का प्रिंट परिवेश सुधारने – भले ही आपका प्रारंभिक बिंदु कोई भी हो – और छात्र–छात्राओं के साथ अपनी अंग्रेज़ी सुधारने व इसका अभ्यास करने के अवसर देती है। आपकी व्यावसायिक आवश्यकताओं और आपके छात्र–छात्राओं की आवश्यकताओं के आधार पर इन गतिविधियों को अनुकूलित करें।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- अंग्रेज़ी सीखने के लिए स्थानीय प्रिंट संसाधनों का उपयोग करना।
- अंग्रेज़ी पाठों में प्रिंट-आधारित गतिविधियों की योजना तैयार करना।
- विभिन्न क्रियात्मक अंग्रेज़ी साक्षरता संसाधन तैयार करना।

1 परिवेशी प्रिंट क्या है?

'परिवेशी प्रिंट' शब्द, इसके अर्थ और छात्र–छात्राओं के शिक्षण में इसकी सहायता किस प्रकार ली जा सकती है, इस विचार के साथ शुरुआत करें।

परिवेशी प्रिंट अक्सर वह पहला लेखन होता है, जिसे छात्र–छात्रा आनंद व उत्साह के साथ पढ़ते हैं। उदाहरण के लिए, कई छात्र–छात्रा को यह मालूम होगा कि चित्र 1 में, काली पृष्ठभूमि पर लिखे शब्दों और इस आकृति का अर्थ बढ़िया आइसक्रीम से है। क्या आप इसी तरह के अन्य संकेतों के बारे में सोच सकते हैं?

चित्र 1: मदर डेयरी का लोगो।

ज्यादातर छात्र–छात्रा प्रिंट के बारे में कुछ ज्ञान और साथ ही अंग्रेज़ी के बारे में कुछ ज्ञान के साथ विद्यालय की शुरुआत करते हैं। विद्यालय में वे लेखन के नए, अलग–अलग स्वरूपों के संपर्क में आते हैं: चार्ट, सूचियाँ, नाम, शेडयूल, लेबल और हर तरह की पठन सामग्री।

बहुत कम या बिना किसी कीमत के, आप एक जीवंत, दृश्यमान कक्षा बना सकते हैं, जहाँ छात्र–छात्रा प्रिंट की एक श्रेणी के संपर्क में आते हैं। आपकी कक्षा की दीवारें और खाली स्थान एक रचनात्मक संवादात्मक परिवेश बन सकते हैं, जहाँ आप विद्यालय, समुदाय और घर के विविध लेखन का प्रदर्शन और अध्यापन कर सकते हैं।

गतिविधि 1: संकेतों और चिह्नों से पठन तक
क्या आप कभी विदेश गए हैं या अपने देश के किसी अन्य राज्य में गए हैं, जहाँ आप स्थानीय भाषा नहीं पढ़ पाते थे? आप

कैसे पता लगाते थे कि कहाँ जाना है, क्या करना है, या दुकानों के संकेतों और सड़क पर लगे पोस्टरों का अर्थ क्या है? क्या इसे समझने में आपसे कभी भूल होती है? जब आपने सही अनुमान लगा लिया, तो क्या आपको खुशी हुई थी? क्या आपने इस नई भाषा को समझने के लिए अपने घर की भाषा के ज्ञान का उपयोग किया था?

आपके जो छात्र–छात्रा इन prints को नहीं समझ पाये वे इन prints से पूरी तरह अनजान हैं। उनके चारों ओर अलग–अलग letters, picutres, signs और shapes में ये जानकारियाँ मौजूद रहती हैं। शब्दों के आसपास बने इन चिन्हों के आधार पर वे अनुमान लगाते हैं और informations को पढ़ना शुरू करते हैं।

चित्र 2 को देखें। इस बारे में सोचें कि किस प्रकार शब्द और चित्र साथ मिलकर काम करते हैं, और आपको शब्दों और आकृतियों के साथ दिखने वाले रंग किस प्रकार काम करते हैं। यदि आप कोई लिखित भाषा पढ़ने में सक्षम न होते, तो आपको इन संकेतों का अर्थ कैसे समझ आता?

चित्र 2: तीन संकेत।

यदि आपको हिन्दी या अंग्रेज़ी की बिल्कुल भी जानकारी न होती, तब भी आप अपने जीवन के अनुभव और दुनिया के ज्ञान का उपयोग करके इन संकेतों का अर्थ समझ लेते। छात्र–छात्रा भाषा और दुनिया के बारे में अपने ज्ञान का निर्माण करते हैं।

कई शहरी छात्र–छात्रा ऐसे संकेतों को 'पढ़' सकते हैं, जिनसे कॉर्पोरेशनों और ब्रांड्स की पहचान होती है। इसी तरह ग्रामीण छात्र–छात्रा 'रेलवे क्रॉसिंग' या 'बस स्टॉप' के संकेतों को जानते हैं। छात्र–छात्रा जो परिवेशी प्रिंट पढ़ सकते हैं, उस पर उनके अभी तक के जीवन के अनुभवों, उनके निवास स्थान, और उनके घर व समुदाय में आस-पास होने वाली गतिविधियों का प्रभाव पड़ता है।

2 परिवेशी प्रिंट को पहचानना

परिवेशी प्रिंट को पहचानना:

- छात्र–छात्राओं को 'पढ़ने' में सफलता का अहसास कराता है
- उन्हें अधिक पढ़ने की प्रेरणा देता है
- शब्दों, वाक्यों और लंबे पाठ को पढ़ने की नींव तैयार करता है।

लेकिन परिवेशी प्रिंट के संपर्क में आने से छात्र–छात्रा अपने आप ही पढ़ने नहीं लगते। शुरुआत में छात्र–छात्रा विशिष्ट परिवेशों के शब्दों को पहचान सकते हैं, लेकिन जब वही शब्द किसी और सन्दर्भ में आते हैं, तो वे उन्हें नहीं पहचान पाते।

गतिविधि 2: रूपांतरण करना

चित्र 3 के दोनों चित्रों को देखें। दोनों चित्रों में 'fish' शब्द है। एक में संकेत दिए गए हैं, दूसरे में नहीं दिए गए हैं। आपके अनुसार किस 'fish' को पढ़ पाना छोटे छात्र–छात्राओं के लिए ज्यादा सरल होगा और यह ज्यादा सरल क्यों होगा? अपने

विचारों के बारे में दूसरे शिक्षकों से चर्चा करें।

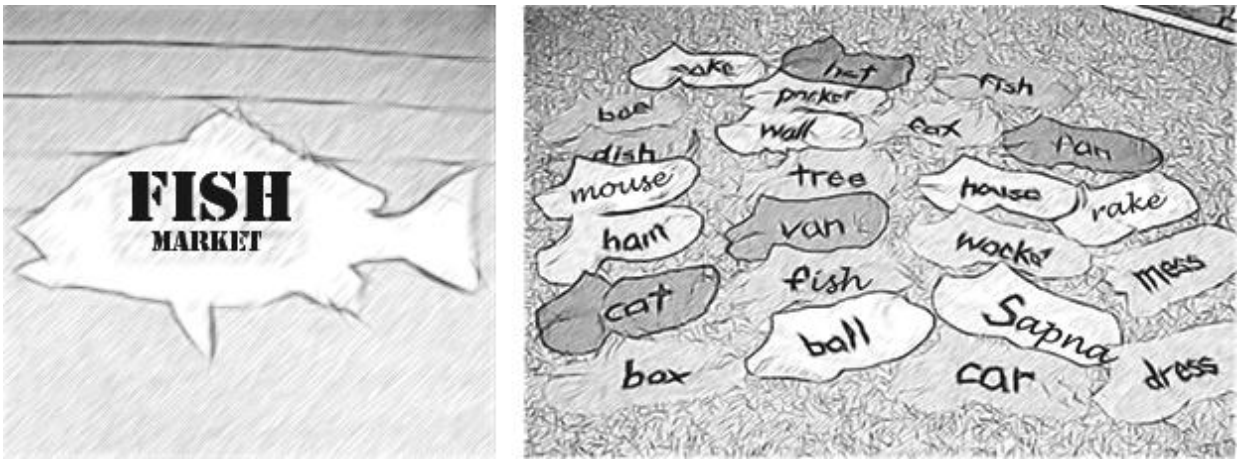

चित्र 3: सन्दर्भ का महत्व।

ज़रा सोचिए

- यदि आपकी कक्षा की दीवारों पर कोई शब्द लिखे हैं, तो वे शब्द यूँ ही लिखे हुए हैं या उनके साथ कोई 'संकेत' हैं?

3 कक्षा में परिवेशी प्रिंट प्रस्तुत करना

आपके छात्र–छात्रा कक्षा में कौन-से प्रिंट संसाधन ला सकते हैं? केस स्टडी 1 में, एक नई शिक्षिका अपने छात्र–छात्राओं के साथ एक प्रिंट-समृद्ध परिवेश बनाने के लिए पहल करती है।

केस स्टडी 1: सुश्री रमा एक कक्षा परिवेश विकसित करती हैं

जब सुश्री रमा पहली बार एक प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका बनी थीं, तो उन्हें कक्षा एक दी गई थी। ज्यादातर छात्र–छात्रा पहली-पीढ़ी के छात्र–छात्रा थे।

मुझ पर छात्र–छात्राओं के साक्षरता विकास की पूरी ज़िम्मेदारी थी। मैं हाल ही में शिक्षक प्रशिक्षण से निकली थी, और मैं जानती थी कि प्रत्येक शिक्षक अध्यापन और शिक्षण सामग्री (TLM) खरीदने के लिए 500 रूपये प्राप्त कर सकता है। मैंने अलग–अलग रंगों वाले कागज़, मार्कर पेन, पोस्ट-इट नोट्स, गोंद, कुछ कैंचियां, कुछ चार्ट और National Book Trust से कुछ कहानी की किताबें खरीदीं, जो अच्छी गुणवत्ता वाली और साथ ही कम कीमत वाली थीं।

इसके बाद मैंने अपने सबसे महत्वपूर्ण संसाधनों, अर्थात अपने छात्र–छात्राओं, से कहा कि वे अध्यापन और सीखने की प्रक्रिया में मेरी मदद करें। मैंने उनसे कहा कि उन्हें जो भी छपी हुई सामग्री मिल सके, वे उसे ले आएं। मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि वे कक्षा में क्या-क्या लेकर आए थे: फिल्मों के पोस्टर, विज्ञापन, रिसाइकल की गई पत्रिकाएँ और अखबार, भोजन के पैकेट, त्यौहारों के ग्रीटिंग कार्ड, राजनैतिक पर्चे, मोबाइल फोन के निर्देश, कंप्यूटर और प्रिंटर के निर्देश, और स्वास्थ्य घोषणाएँ। छात्र–छात्राओं द्वारा लाई गई प्रिंट सामग्री से यह भी पता चला कि उनकी रुचियाँ क्या हैं, वे क्या जानना या पढ़ना चाहते हैं, और उनके मन में किन बातों के बारे में जिज्ञासा है [जैसे चित्र 4 के उदाहरण]।

चित्र 4: प्रिंट सामग्री के उदाहरण।

इन संसाधनों के साथ, हमने कक्षा का प्रिंट परिवेश बनाना शुरू किया।

छात्र–छात्रा अपने साथ जो प्रिंट materials लाए थे, उसमें से letters और words को अलग–अलग cut करके छोट–छोटे words और sentences बनाए और मैंने उनके शब्दों के समान अर्थ वाले अंग्रेज़ी शब्द लिखे। हमने दो अलग–अलग लिपियों (scripts), भाषाओं (languages) में एक–जैसे शब्दों की तुलना की।

house	ghar	घर
teeth	dant	दाँत
father	baap	बाप
mother	maa	माँ

यह गतिविधि छात्र–छात्राओं के संचालन कौशल और आँखों व हाथ के तालमेल के विकास के लिए भी अच्छी थी। हमने अंग्रेज़ी और हिन्दी में वर्णों और शब्दों की भी प्रतिलिपि बनाई और शब्दों को समझाने के लिए चित्रों के साथ इनका उपयोग किया। हमने अपने पसंदीदा और सबसे रोचक शब्द दीवार पर लिखकर एक वर्ड वॉल बनाई।

एक नई शिक्षिका के रूप में यह सब मेरे लिए बहुत प्रोत्साहन करने वाला था। मेरे छात्र–छात्राओं ने सीखा कि चिह्न उनकी दुनिया में लोगों, जगहों और वस्तुओं के लिए होते हैं। उन्होंने अपनी शब्दावली बढ़ाई और द्विभाषी छात्र–छात्राओं के रूप में उनका आत्मविश्वास बढ़ा। कक्षा में अंग्रेज़ी का उपयोग करने का मेरा आत्मविश्वास भी बढ़ा।

4 परिवेशी प्रिंट के बारे में शिक्षकों की राय

हमने सरकारी विद्यालयों के छः प्राथमिक शिक्षकों से यह बताने को कहा कि वे अपनी कक्षा में प्रिंट सामग्री का उपयोग कैसे करते हैं। उनके उत्तर ये थे:

- 'मेरे छात्र–छात्रा स्वयं ही एक चार्ट में अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं, ताकि वे अंग्रेज़ी में अपने नाम पढ़ सकें और उपस्थिति का चिह्न लगा सकें। वे अंग्रेज़ी में अपने नाम को पहचानना और चार्ट में अपने नाम लिखना सीख गए हैं। भाषा विकास के साथ-साथ, इससे हमें अनुपस्थित रहने की आदत बंद करने में भी मदद मिलती है क्योंकि छात्र–छात्राओं को अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने की प्रेरणा मिलती है।'

- 'पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों के लिए, छात्र–छात्राओं की बातों को मैं कागज़ की बड़ी शीट पर लिखता हूँ। मैं ठीक वही शब्द लिखता हूँ, जो वे बोलते हैं और वे अपने नाम अंग्रेज़ी में लिखकर यह दर्शाते हैं कि ये सभी उनके शब्द हैं। इससे मैं यह देख पाता हूँ कि वे क्या जानते और समझते हैं। मैं उनके लेखन को कक्षा की दीवार पर प्रदर्शित करता हूँ और हम इसे साथ मिलकर पढ़ते हैं। मैं देखता हूँ कि छात्र–छात्रा अपने खुद के शब्द एक-दूसरे को पढ़कर सुनाते हैं और जब उनके अभिभावक विद्यालय में आते हैं, तो उन्हें भी सुनाते हैं।'
- 'मैं अपनी कक्षा की वस्तुओं (chair, table, pencils) और यहाँ तक कि कक्षा के बाहर की वस्तुओं पर भी (door, gate, road, entrance, office) हिन्दी और अंग्रेज़ी में लेबल लगाता हूँ। यहाँ तक कि कक्षा के शौचालय में भी मैंने एक संकेत लगाया जिसमें उन्हें फ्लश चलाने की याद दिलाई गई थी flush और wash their hands. इसके द्वारा मैं छात्र–छात्राओं से इस बारे में बात करने में सक्षम था कि कीटाणुओं, संक्रमणों और बीमारी से कैसे लड़ा जाए।'
- 'हम सिर्फ विद्यालय तक ही नहीं रुकते – हम साक्षरता को छात्र–छात्राओं के घरों तक जोड़ना चाहते हैं। छात्र–छात्राओं ने और मैंने उनके घरों की उन जगहों के बारे में बात की, जहाँ लेबल लगाए जा सकते थे (किचन, पॉट, मंदिर, खिड़की, कुर्सी) और घरों में किस तरह के लेबल लगाए जा सकते थे, जैसे "Take off your shoes" और "Wash your hands before eating"। हमने लेबल अंग्रेज़ी और हिन्दी में बनाए। छात्र–छात्रा लेबलों को अपने घर ले गए। एक माँ ने तो विद्यालय में आकर मुझे बताया कि उन्होंने अपने घर के लिए एक कूड़ादान खरीदा था क्योंकि उनकी बेटी जो लेबल घर लाई थी, उनमें से एक "Dustbin" था और उस पर यह संदेश "Throw your garbage in a bin" था। हम अनुभव से यह जानते हैं कि इस तरह की गतिविधि घर में और विद्यालय में करने से अभिभावकों को उनके छात्र–छात्राओं के साथ पढने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।'
- 'मैं एक छोटे गाँव के सरकारी विद्यालय में पढ़ाता हूँ। मैं अपने छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करता हूँ कि वे अपने परिवार के लिए अंग्रेज़ी में सरल संदेशों वाले ग्रीटिंग कार्ड बनाएँ, जिन्हें घर में पढ़ा जा सके। अभिभावकों ने इसकी बहुत प्रशंसा की है और उन्हें इस बात पर गर्व महसूस होता है कि उनके बच्चे अंग्रेज़ी लिख और पढ़ सकते हैं।'
- 'मैं कक्षा के सभी संवाद और दिनचर्या के लिए "कार्यात्मक प्रिंट" बनाता हूँ; उदाहरण के लिए, दैनिक शेड्यूल। मैंने यह सुनिश्चित करता हूँ कि इसे देखूं और छात्र–छात्राओं को भी इस पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करूँ। इससे उन्हें अपनी स्वयं की शिक्षा का प्रबंधन करने में मदद मिल सकती है। बोर्ड पर मैं सप्ताह का दिन और महीना, विद्यालय में आने वाले मेहमानों के नाम, व्यवहार के नियम और सुबह्र का संदेश लिखता हूँ। छात्र–छात्राओं को इस बात के लिए प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है कि वे इन्हें रोज़ पढ़ें और इनके बारे में बात करें।'
- 'मैं एक ग्रामीण विद्यालय में पढाता हूँ और मेरी कक्षा छोटी है। एक दीवार पर बोर्ड है और बाकी दीवारों पर खिड़कियाँ और दरवाज़ा है। प्रदर्शन बोर्ड या टेबल के लिए बहुत ज्यादा जगह लगती, इसलिए मैंने छात्र–छात्राओं का काम कक्षा के दरवाज़े के ठीक बाहर वाली दीवार पर लगा दिया। अन्दर, मैं हर छात्र–छात्रा के काम को कपड़े फँसाने के चिमटों, पेपर क्लिप, टेप या कभी-कभी काँटों का उपयोग करके रस्सी पर लगाता हूँ। कपड़े सुखाने वाली रस्सी जैसी यह रस्सी कक्षा में आर-पार बंधी हुई है। कमरे को लेखन और चित्रों से सजाने से कमरा ज्यादा आकर्षक और लुभावना लगता है।'
- 'मैं एक से ज्यादा ग्रेड और एक से ज्यादा स्तरों वाली कक्षा में पढ़ाती हूँ। महीने में एक बार हम बड़े छात्र–छात्राओं के लिए "translation workshop" करते हैं। वे अपने घरों से सरल प्रिंट सामग्रियाँ – ज्यादातर शादियों के निमंत्रण पत्र लाते हैं। समूह में काम करते हुए, वे मेरी मदद से कार्ड की सामग्री का अंग्रेज़ी में अनुवाद करते हैं। मैंने उन्हें घर ले जाती हूँ और मेरी पड़ोसन की मदद से अनुवादों का संपादन करती हूँ। अब हम मूल निमंत्रण पत्र और संपादित अनुवादित संस्करण दोनों को डिस्प्ले बोर्ड पर लगाते हैं, ताकि छोटे छात्र–छात्रा इन्हें पढ़ सकें।'

ज़रा सोचिए

- प्रत्येक उदाहरण में, परिवेशी प्रिंट के आधार पर सीखने–सिखाने की पहचान करें।
- छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य और शैक्षिक विकास के संबंध में इन गतिविधियों के अन्य लाभ क्या हैं?
- क्या आप भी इन शिक्षकों जैसा ही कुछ करते हैं?

वीडियो: सभी को शामिल करना

5 अपनी कक्षा में परिवेशी प्रिंट के उपयोग की योजना बनाना

गतिविधि 3: अपनी कक्षा का निरीक्षण करें – एक नियोजन गतिविधि

अपनी कक्षा का अवलोकन करें। यदि आप परिवेशी प्रिंट को प्रस्तुत करने के लिए कोई एक या दो परिवर्तन कर सकते हों, तो वे परिवर्तन क्या होंगे? आपके अनुसार इन परिवर्तनों से अध्यापन और सीखने में कैसे सुधार होगा?

क्या इन परिवर्तनों को करने के लिए आप कोई क्रियात्मक कदम उठा सकते हैं?

आसानी से उपलब्ध सामग्रियों, जैसे फेंक दिए गए खाली डिब्बे, टाट के बोरे और उपयोग की जा चुकी पैकेजिंग सामग्रियों का उपयोग करके सरल डिस्प्ले बोर्ड बनाने के तरीकों के बारे में सोचें।

कक्षा के परिवेश में सभी छात्र–छात्राओं को शामिल करने के महत्व के बारे में ज्यादा जानने के लिए संसाधन 2, 'सभी को शामिल करना' देखें।

गतिविधि 4: कक्षा लेबल

यदि आपकी एक अधिक छात्र–छात्राओं वाली कक्षा है, तो आप यह गतिविधि हर दिन छात्र–छात्राओं के एक अलग–अलग समूह के साथ कर सकते हैं।

बड़ी उम्र वाले जिन छात्र–छात्राओं को अंग्रेज़ी का कुछ अनुभव है, उनके लिए इस गतिविधि को अनुकूलित करें, ताकि कार्ड केवल अंग्रेज़ी में हों और छात्र–छात्रा ये कार्ड खुद लिखें।

आपको जो संसाधन चाहिए होंगे, उनमें कार्ड पेन और टेप शामिल हैं।

- कुछ कार्ड दो भाषाओं में तैयार करें (हिन्दी और अंग्रेज़ी, या घर की भाषा और अंग्रेज़ी), लेकिन कुछ कार्ड खाली रहने दें, ताकि छात्र–छात्रा अपने विचारों से उनमें योगदान कर सकें।
- छात्र–छात्राओं को बताएँ कि सही वस्तु या शेल्फ पर सही लेबल लगाने में आपको उनकी मदद चाहिए।
- छात्र–छात्राओं को बताएँ कि आप लोग साथ मिलकर अंग्रेज़ी सीखेंगे और उसका अभ्यास करेंगे।
- आपने अंग्रेज़ी में और एक अन्य भाषा में जो लेबल बनाया है, वह छात्र–छात्राओं को दिखाएँ, जैसे: 'desk', 'window', 'chair'. छात्र–छात्राओं को लेबल घर की भाषा/हिन्दी में और अंग्रेज़ी में पढ़कर सुनाएँ। साथ मिलकर अंग्रेज़ी में शब्दों का अभ्यास करें।
- छात्र–छात्राओं से पूछें कि लेबल कहाँ रखे जाने चाहिए; जैसे बुकशेल्फ पर, दरवाज़े पर, टेबल पर, डेस्क पर।

- छात्र–छात्राओं से पूछें कि कक्षा में और कहाँ लेबल लगाए जा सकते हैं, या कोई संकेत चिह्न लगाए जा सकते हैं, ताकि विद्यालय में आने वाले लोगों को उनसे मदद मिले।
- जब आप हर लेबल या संकेत पर लिखते हैं, तो वर्णों और शब्दों के नाम भी बोलें।
- साथ मिलकर दोनों भाषाओं में शब्दों को बोलने का अभ्यास करें।

कक्षा के लेबलों के उदारहण चित्र 5 में दिखाए गए हैं।

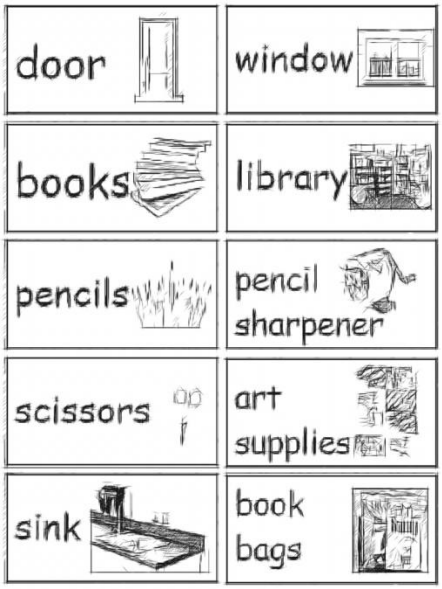

चित्र 5: कक्षा के लेबल।

जब आप कक्षा में लेबल लगाते हैं, तो पढ़ाते समय आप दिन भर उन शब्दों का ज़िक्र कर सकते हैं। छात्र–छात्राओं से कहें कि आप जिन शब्दों का उपयोग कर रहे हैं, वे उन्हें ढूंढें और उनकी तरफ इशारा करें। छात्र–छात्रा जब आपसे और एक-दूसरे से बात करते हैं, तो बातचीत में उन्हें इन शब्दों का उपयोग करना चाहिए, जैसे:

- 'Susheela, please bring the books.'
- 'Yes, I will bring the books.'
- 'Thank you. Mohan, please go and open the door.'
- 'Yes, I will open the door.'

कक्षा में लेबल लगाने से छात्र–छात्राओं का अंग्रेज़ी पढ़ने, बोलने और सुनने का कौशल विकसित होगा। आपके रचनात्मक आकलन मौखिक प्रश्नों और उत्तरों पर आधारित होंगे, तथा उन क्षेत्रों को पहचानने में आपकी मदद करेंगे, जिनमें छात्र–छात्राओं को अतिरिक्त अभ्यास करने की ज़रुरत है।

गतिविधि 5: इंटरएक्टिव वर्ड वॉल

विभिन्न तरह के वर्ड वॉल विषयों के बारे में संसाधन 1 में पढ़ें। चित्र को देखकर सोचें कि आपकी कक्षा में क्या संभव और क्रियात्मक है।

अपनी कक्षा में वर्ड वॉल बनाने के लिए एक विषय चुनें। अपने विचारों के बारे में अपने साथी शिक्षक/शिक्षिका या प्रधानाध्यापक से चर्चा करें।

छात्र–छात्रा कक्षा में प्रदर्शित किए गए शब्दों और वाक्यों को देख और छू पाने में सक्षम होने चाहिए। दैनिक वर्ड वॉल

गतिविधियाँ अक्सर होनी चाहिए, और ये छोटी व मज़ेदार होनी चाहिए – तथा दिन के केवल किसी विशिष्ट समय पर ही नहीं होनी चाहिए। सप्ताह के नए शब्दों के लिए उत्साह और शोर के साथ बातचीत को, तथा ऐसी चर्चाओं को प्रोत्साहन दें, जो छात्र–छात्राओं का ध्यान इस बात की ओर खींचती हों कि शब्द कैसे दिखते हैं और उनका उच्चारण कैसा है।

ध्यान दें: एक शिक्षक/शिक्षिका का कार्य सिर्फ लेखन को कक्षा की दीवारों तक पहुँचाने भर से ख़त्म नहीं होता। आपको इन संसाधनों के उपयोग में छात्र–छात्राओं की मदद भी करनी होगी। दैनिक वर्ड वॉल गतिविधियों के लिए लंबे अध्यापन सत्रों की आवश्यकता नहीं है; वे सिर्फ सप्ताह के दिन को पढ़ने और बोलने, छात्र–छात्राओं के नाम पढ़ने, या सप्ताह का कोई विशेष शब्द पढ़ने में लगने वाले समय के बराबर भी हो सकती हैं। वर्ड वॉल्स को अपनी लेखन योजनाओं में शामिल करें और छात्र–छात्राओं के लिए ऐसे अवसर तैयार करें, जिनमें वे रचनात्मक लेखन, स्पेलिंग और शब्दावली के लिए स्वतंत्र रूप से वर्ड वॉल का उपयोग कर सकें। विद्यालयी दिन के दौरान बार-बार वर्ड वॉल का उपयोग करने से आपको कक्षा में अंग्रेज़ी के उपयोग के बारे में अधिक आत्मविश्वासी रहने में मदद मिलेगी।

6 सारांश

यह इकाई परिवेशी प्रिंट पर केंद्रित थी। यह ऐसा लेखन है, जिससे हम अपने दैनिक जीवन में संपर्क में आते हैं। यह ऐसा लेखन है, जिसे हर कोई देख सकता है, साझा कर सकता है और उसके बारे में बात कर सकता है, इसलिए यह सीखने–सिखाने के लिए एक सशक्त संसाधन है। एक 'प्रिंट-समृद्ध' कक्षा के द्वारा छात्र–छात्राओं का पढ़ने का आत्मविश्वास बढ़ सकता है। जो छात्र–छात्रा संदर्भात्मक संकेत (जैसे चित्र, स्थान, वस्तुएँ, रंग या आरेख) का उपयोग करके अपने परिवेश में लेखन का अर्थ समझना सीख लेते हैं, वे 'वास्तविक' पठन की ओर ज्यादा आसानी से बढ़ने में सक्षम होंगे।

प्रिंट, अध्यापन सामग्रियों और छात्र–छात्राओं के लेखन के उदाहरणों के अधिकाधिक क्रियात्मक प्रदर्शन से शिक्षण मज़बूत हो सकता है और उन्हें उनके कार्य पर गर्व महसूस करने का प्रोत्साहन मिलता है। छात्र–छात्राओं के स्वयं के लेखन को प्रदर्शित करने से उन्हें न सिर्फ प्रेरणा मिलती है, बल्कि अंग्रेज़ी में सरल और उपयोग के लिए तैयार पाठ भी बन जाता है, जिसे अन्य छात्र–छात्रा भी शिक्षक के साथ या उनके बिना पढ़ सकते हैं। प्रदर्शन आपकी कक्षा को सजाने और आपके अभ्यास को "दिखाने" का एक अच्छा तरीका हैं। जब अभिभावक आपकी कक्षा में आते हैं, तो उन्हें तुरंत दिखाई देता है कि क्या पढ़ाया जा रहा है।

हमें आशा है कि आपने इस इकाई की पठन और क्रियात्मक गतिविधियों का आनंद लिया होगा, और आपने अपनी कक्षा में एक अन्योन्य क्रियात्मक, प्रिंट-समृद्ध परिवेश तैयार करने, व साथ ही अंग्रेज़ी का उपयोग करके आत्मविश्वास विकसित करने के लिए विचार विकसित कर लिए होंगे।

प्रारंभिक अंग्रेज़ी हेतु इस विषय पर अन्य अंग्रेजी शिक्षक विकास इकाइयाँ हैं:

- *चिन्ह लगाना और प्रारंभिक लेखन*
- *लेखन कौशल का विकास और उसका अनुश्रवण*

संसाधन

संसाधन 1: वर्ड वॉल के विषय

जब शब्दों का एक संग्रह कक्षा में एक व्यवस्थित तरीके से प्रदर्शित किया जाता है, तो अक्सर इसे 'वर्ड वॉल' कहते हैं। इस प्रदर्शन का उपयोग पढ़ने, लिखने, शब्दावली विकास, स्पेलिंग पैटर्न, शब्द/चित्र संबंध और सन्दर्भ के लिए एक अन्योन्य क्रियात्मक संसाधन के रूप में किया जा सकता है। वर्ड वॉल को अलग–अलग थीम में श्रेणीबद्ध किया जा सकता है, जैसे रंग, नाम, दिनचर्या के शब्द, मदद शब्द और संख्याओं के नाम, एक समान पहले या अंतिम वर्णों वाले शब्द, और शब्द परिवार।

वर्ड वॉल एक ऐसा तरीका है, जिसके द्वारा शिक्षक कम खर्च में विज्ञान से लेकर कला तक किसी भी विषय में अंग्रेज़ी की शब्दावली विकसित करने और मज़बूत बनाने में छात्र–छात्राओं की मदद कर सकते हैं। इसकी कोई सीमा नहीं है कि आप कितनी वर्ड वॉल विकसित कर सकते हैं। आपकी वर्ड वॉल का आकार और आकृति आपकी कक्षा के आकार और आकृति पर निर्भर होंगे। आप चॉकबोर्ड, चार्ट पेपर, कागज़ और धरस्सी, या आपकी कक्षा की अंदरूनी व बाहरी दीवारों का उपयोग कर सकते हैं।

चित्रों R1.1–1.3 को देखें और इस बारे में सोचें कि आपकी कक्षा के लिए क्या संभव है।

चित्र R1.1 चार्ट पेपर, स्ट्रिंग और पेग्स का उपयोग करना।

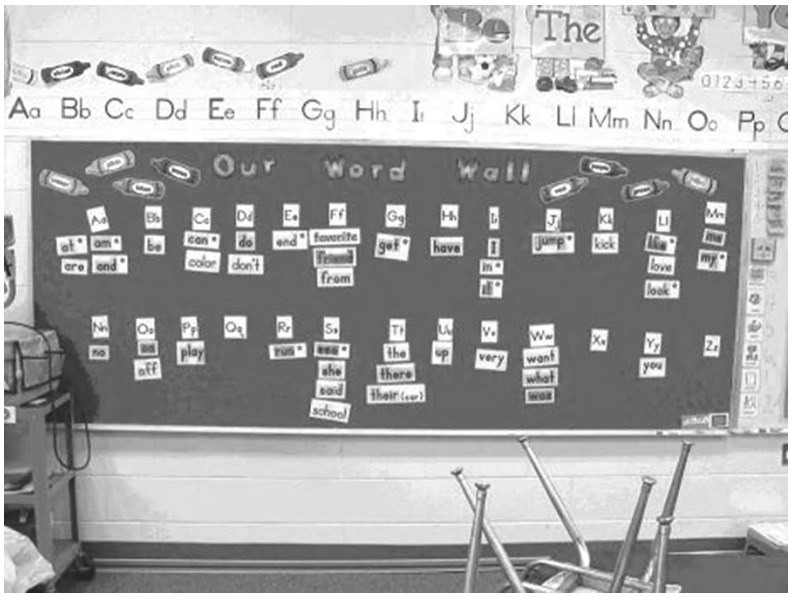

चित्र R1.2 अंग्रेज़ी वर्णमाला की वर्ड वॉल।

चित्र R1.3 दीवार के सभी स्थानों का उपयोग करना।

उच्च-आवृत्ति वाली वर्ड वॉल

प्राथमिक कक्षा के पाठ में मुख्यतः बार-बार आने वाले शब्द होते हैं – ये ऐसे शब्द होते हैं, जो बातचीत में या किताबों में अक्सर आते हैं। (चित्र R1.4 में उदाहरण दिखाए गए हैं।) अंग्रेज़ी सीखने वाले छात्र–छात्रा जब इन शब्दों को जल्दी और आसानी से पहचान लेते हैं, तो वे अपना भाषा-संबंधी कौशल बढ़ा सकते हैं।

चित्र R1.4 उच्च-आवृत्ति वाले शब्दों को बदलने के लिए एक चार्ट।

साहित्यिक वर्ड वॉल

ऐसी वर्ड वॉल्स बनाई जा सकती हैं, जिससे बड़े छात्र–छात्राओं को साहित्यिक अध्ययन के दौरान मदद मिले। कक्षा जिस साहित्यिक अंश को पढ़ने वाली है, शिक्षक को उसमें से मुख्य शब्द, शब्दावली के नए शब्द या वर्णों के नाम चुनने चाहिए। जब ये शब्द पाठ में आते हैं, तो उन्हें कागज़ पर लिखकर कक्षा में किसी केंद्रीय स्थान पर एक साथ लगाया जाना चाहिए। यह वॉल इन नए शब्दों को सीखने में छात्र–छात्राओं की मदद करेगी और कक्षा में पुस्तक के बारे में चर्चा करते समय महत्वपूर्ण जानकारी तक तुरंत पहुँचा जा सकेगा।

एक साहित्यिक वर्ड वॉल में कहानी की मुख्य पटकथा या इसके पात्रों के चित्रात्मक वर्णन भी हो सकते हैं (चित्र R1.5)। ये चित्र कहानी के बारे में एक पंक्ति, पात्रों के नाम या कहानी से संबंधित किसी भी महत्वपूर्ण और यादगार सामग्री से जुड़े हो सकते हैं। किसी विशिष्ट कहानी से जुड़े शब्दों को प्रदर्शित करने वाली एक वर्ड वॉल में लेखक, चित्रकार और अनुवादक (यदि कोई हो) के नाम भी शामिल होने चाहिए।

चित्र R1.5 एक कहानी और उसके पात्रों के बारे में एक वर्ड वॉल।

मौसमी वर्ड वॉल

वर्ष के मौसमों के बारे में प्राथमिक ग्रेड कक्षाओं की अध्ययन इकाइयाँ। इस प्रकार, 'मौसम' का उपयोग एक वर्ड वॉल विकसित करने के लिए सन्दर्भ के रूप में किया जा सकता है (चित्र R1.6)। एक मौसमी वर्ड वॉल बनाने के लिए किसी विशिष्ट मौसम पर ध्यान केंद्रित करने वाले महत्वपूर्ण मुख्य शब्दों का उपयोग किया जा सकता है।

चित्र R1.6 एक मौसमी वर्ड वॉल।

जब प्रत्येक शब्द प्रस्तुत किया जाता है, तो इसे कागज़ के एक टुकड़े पर लिखकर कक्षा में लगाया जाना चाहिए। समय के साथ-साथ मौसम से संबंधित शब्दों का एक कलेक्शन विकसित हो जाएगा। उदाहरण के लिए, 'इन दिनों (गर्मियों में) बाज़ार इनसे भरे रहते ह...' शीर्षक वाली एक दीवार पर मौसमी फलों, मौसमी सब्जियों और गर्मियों के कपड़ों, या अन्य वस्तुओं जैसे कोल्ड ड्रिंक्स, जूस, आइसक्रीम, छाते, धूप की टोपियों, चश्मों आदि के बारे में अवलोकन हो सकते हैं।

मौसम खत्म हो जाने पर इन शब्दों को कक्षा के किसी अन्य भाग में ले जाया जा सकता है। जैसे-जैसे मौसम बदलते हैं, तो छात्र–छात्रा हर मौसम के साथ जुड़े शब्दों के कलेक्शन को फिर से देख पाने में सक्षम होंगे और वे वर्ष के हर समय के बीच समानताएँ और अंतर देख सकेंगे।

एक वर्ड वॉल का उपयोग अन्य गतिविधियों के लिए संसाधन के रूप में भी किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, छात्र–छात्रा एक मौजूदा वर्ड वॉल पर लिखे शब्दों का उपयोग करके कोई नई कविता या कहानी तैयार कर सकते हैं। ऐसा करने से उन्हें अलग–अलग उद्देश्यों के लिए शब्दों का उपयोग करने का अवसर मिलेगा।

छोटे या प्री-लिटरेट छात्र–छात्राओं के साथ वर्ष की शुरुआत करना

अपने विद्यालयी वर्ष और वर्ड वॉल की शुरुआत अपनी कक्षा के छात्र–छात्राओं को जानने के साथ करें। हर दिन पाँच छात्र–छात्राओं को नाम लिखें, जब तक कि सभी के नाम वॉल पर न आ जाएँ। हर दिन थोड़ा समय देकर पाँच नामों को देखें और उन नामों के ध्वनि और वर्ण पैटर्न पर ध्यान केंद्रित करें। उदाहरण के लिए यदि 'चुन्नी' (Chunni) नाम जोड़ा जाता है, तो आप 'च' की ध्वनि पर ध्यान देने और उसी ध्वनि वाले अन्य शब्दों के बारे में बात करने के लिए थोड़ा समय दे सकते हैं।

आप दीवार पर पहले से मौजूद नामों के साथ नए नामों की तुलना कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, चुन्नी (Chunni) के अंत में आने वाला 'i' क्या 'कादंबरी' (Kadambari) के अंत में आने वाले 'i' से अलग है या इसी के समान है? इस तरह, छात्र–छात्राओं को वर्णों, ध्वनियों और स्पेलिंग पैटर्न के बारे में अपने शुरूआती पाठ सीखने को मिलेंगे।

किसी भी विषय के लिए हर सप्ताह वर्ड वॉल में पाँच शब्द जोड़ें। आप सोमवार को सभी पाँच शब्द प्रस्तुत कर सकते हैं। सभी पाँच शब्दों को सोमवार को छात्र–छात्राओं के आने से पहले एक पॉकेट चार्ट में रखना एक महत्वपूर्ण संसाधन है। छात्र–छात्रा जब कक्षा में आते हैं, तो वे पॉकेट चार्ट के इन नए शब्दों के बारे में जानना चाहेंगे। उन्हें पॉकेट चार्ट के शब्द खुद देखने और पढ़ने की कोशिश करने दें। कभी-कभी, छात्र–छात्रा कक्षा में 'वर्ड वॉल टाइम' से पहले नए शब्द पढ़ेंगे। इससे रोचक चर्चाएँ और शिक्षण हो सकता है।

लेखन वर्ड वॉल

लेखक, विशेषतः छोटी कक्षाओं वाले, अक्सर अपने लेखन में उपयोग के लिए व्यापक विविधता वाली शब्दावली पुनर्प्राप्त कर पाने में कठिनाई महसूस करते हैं। अपनी वॉल पर शब्दों की सूचियाँ लगाकर आप उनकी याददाश्त को तेज़ बनाने में मदद कर सकते हैं। यह सूची सामान्य या विशिष्ट हो सकती है। यदि आपकी कक्षा लेखन की किसी विशिष्ट पद्धति का अध्ययन कर रही है, तो आप उस प्रकार के लेखन में अक्सर उपयोग किए जाने वाले शब्द लिख सकते हैं। उदाहरण के लिए, जब कक्षा तुलना-और-अंतर (compare-and-contrast) लेखन पर काम कर रही है, तो 'एक समान', 'अलग–अलग', 'समान', 'विपरीत' जैसे शब्द वर्ड वॉल पर लिखे जा सकते हैं, ताकि छात्र–छात्राओं को उनके लेखन में इन शब्दों का उपयोग करना याद रहे।

स्पेलिंग वर्ड वॉल

एक स्पेलिंग वर्ड वॉल को वर्णमाला के क्रम में व्यवस्थित किया जाना चाहिए, ताकि छात्र–छात्राओं को जब शब्दों की स्पेलिंग लिखने की ज़रुरत हो, तो उन्हें ये शब्द ढूँढने में मदद मिले। इस वॉल में ऐसे शब्द होने चाहिए, जिनके संपर्क में आपकी कक्षा के छात्र–छात्रा आते हैं और उनकी स्पेलिंग सीखना चाहते हैं। लेखन में होने वाली स्पेलिंग की आम त्रुटियाँ, साहित्य से मुख्य शब्द, साप्ताहिक स्पेलिंग सूचियाँ और यहाँ तक कि छात्र–छात्राओं के नाम भी वर्ड वॉल में जोड़े जा सकते हैं। वॉल हमेशा 'कार्य प्रगति में है' वाली स्थिति में होनी चाहिए। जब भी आप और आपकी कक्षा के छात्र–छात्रा यह तय करते हैं कि किसी शब्द की स्पेलिंग सीखनी है, तो वह शब्द जोड़ा जाना चाहिए। स्पेलिंग परीक्षाओं के दौरान आप स्पेलिंग वर्ड वॉल को कोरे कागज़ से ढँक सकते हैं।

शब्द भेद वर्ड वॉल

कभी-कभी हम सभी को यह समझने में कठिनाई होती है कि किसी अंग्रेज़ी वाक्य में कोई शब्द व्याकरण के किस शब्द-भेद में आता है। अंग्रेज़ी व्याकरण की बुनियादी अवधारणाएं समझने में छात्र–छात्राओं की मदद करने के लिए, शिक्षक शब्द-भेद

(अर्थात संज्ञा, क्रिया, विशेषण, क्रिया-विशेषण आदि) के अनुसार व्यवस्थित वर्ड वॉल बना सकते हैं। जैसे-जैसे छात्र–छात्रा नए शब्द सीखते या पढ़ते हैं, तो वे प्रत्येक शब्द को सही व्याकरणिक शब्द-भेद में जोड़ सकते हैं। यदि आप छात्र–छात्राओं को सिखाना चाहते हैं कि विशेषणों का उपयोग करके वे अपने लेखन में रुचि कैसे जोड़ सकते हैं, तो आप 'अद्‌भुत विशेषणों' (amazing adjectives) वाली एक वर्ड वॉल बना सकते हैं। जैसे-जैसे कक्षा कहानियाँ और कविताएँ पढ़ती है, तो छात्र–छात्राओं से सुनने और रोचक वर्णन करने वाले शब्दों को ढूँढकर ये विशेषण विशेष वर्ड वॉल में जोड़ने को कहें। इसी तरह आप 'चंचल क्रियाओं' (vivid verbs) के लिए भी एक वॉल बना सकते हैं।

पाठ्यपुस्तक इकाई/अध्याय वर्ड वॉल

यह वर्ड वॉल अध्ययन की किसी विशिष्ट इकाई या अध्याय के लिए सहायक हो सकती है। आप और आपके छात्र–छात्रा किसी इकाई या अध्याय से मुख्य शब्द चुनकर उन्हें कागज़ पर लिख सकते हैं। जैसे-जैसे प्रत्येक शब्द प्रस्तुत होता है, तो इसे वर्णक्रमानुसार वर्ड वॉल पर जोड़ा जाना चाहिए। इकाई या अध्याय के अंत में, वर्ड वॉल हटाई जा सकती है। यदि आपके पास सीमित स्थान है, तो यह आपकी कक्षा में वर्ड वॉल का उपयोग करने का एक अच्छा तरीका है। सारणी R1.1 में इस प्रकार की वर्ड वॉल का एक उदाहरण है।

*सारणी **R1.1** Blossom Part III का एक पाठ*

Aa after again against all	**Bb** birds bread	**Cc** cans students	**Dd** danced dear dig dreaming dress	**Ee**	**Ff** fairy flowers	**Gg** garden gardeners ground	**Hh** happily help high
Ii indeed	**Jj**	**Kk**	**Ll** laughing little love	**Mm** magic morning most	**Nn** next nothing	**Oo**	**Pp** playground
Qq quite	**Rr** roots roses	**Ss** school singing	**Tt** talking tall	**Uu**	**Vv** very	**Ww** wall watering	**Xx**

	running	students sunflowers sunny sunshine	thirsty tiny			wings	
Yy	**Zz**						

संसाधन 2: सभी को शामिल करना

'सभी को शामिल करें' का क्या अर्थ है?

संस्कृति और समाज की विविधता कक्षा में दिखती है। छात्र–छात्राओं की भाषाएं, रुचियां और योग्यताएँ अलग-अलग होती हैं। छात्र–छात्रा विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमियों से आते हैं। हम इन विभिन्नताओं को अनदेखा नहीं कर सकते हैं; वास्तव में हमें उन्हें सकारात्मक रूप से देखना चाहिए क्योंकि हमारे लिए ये एक–दूसरे के बारे में तथा हमारे अनुभव से परे के संसार को जानने और समझने के लिए माध्यम का काम कर सकते हैं। सभी छात्र–छात्राओं को शिक्षा प्राप्त करने एवं अपनी स्थिति, योग्यता और पृष्ठभूमि से इतर जाकर सीखने का अवसर हासिल करने का अधिकार है, और इस बात को भारतीय कानून में एवं अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकारों में मान्यता प्राप्त है। 2014 में राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के सभी नागरिकों के मूल्यों, मान्यताओं को महत्व दिए जाने पर बल दिया भले ही किसी नागरिक की जाति, लिंग या आय कुछ भी क्यों न हो। इस संबंध में विद्यालयों और शिक्षकों की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है।

हम सभी के पास उन दूसरे लोगों को लेकर पूर्वाग्रह और विचार होते हैं जिनसे हमारा परिचय या साक्षात्कार नहीं हुआ हो सकता है। एक शिक्षक के रूप में, आपके पास प्रत्येक छात्र के शैक्षिक अनुभव को सकारात्मक या नकारात्मक ढंग से प्रभावित करने की शक्ति होती है। चाहे जानबूझकर हो या अनजाने में, आपके निहित पूर्वाग्रहों और विचारों का इस बात पर अवश्य प्रभाव होगा कि आपके छात्र–छात्रा कितनी बराबरी के साथ सीख रहे हैं। आप अपने छात्र–छात्राओं को असमान व्यवहार से सुरक्षित करने के लिए कदम उठा सकते हैं।

आपके द्वारा अधिगम में सभी को शामिल करना सुनिश्चित करने के लिए तीन प्रमुख सिद्धांत

- **ध्यान देना:** प्रभावी शिक्षक चौकस, अनुभवी एवं संवेदनशील होते हैं; वे अपने छात्र–छात्राओं में होने वाले बदलावों पर ध्यान देते हैं। यदि आप चौकस हैं तो आप उन बातों पर ध्यान देंगे जब एक छात्र कुछ अच्छा करता है, जब उसे सहायता की आवश्यकता होती है और जब वह दूसरों के साथ जुड़ता है। आप अपने छात्र–छात्राओं में होने वाले परिवर्तनों का भी अनुभव कर सकते हैं जो उनकी घरेलू परिस्थितियों या अन्य समस्याओं के चलते प्रतिबिंबित हो सकते हैं। सभी को शामिल करने के लिए दैनिक रूप से अपने छात्र–छात्राओं पर, खास तौर पर उपेक्षित या प्रतिभागिता करने में असमर्थ महसूस कर सकने वाले छात्र–छात्राओं पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है।
- **आत्मसम्मान पर ध्यान केंद्रित करना:** अच्छे नागरिक वे होते हैं जो अपने स्वत्व को लेकर सहज होते हैं। उनमें आत्मसम्मान की भावना होती है, उन्हें अपनी शक्तियों और कमजोरियों का पता होता है और उनमें व्यक्तियों की

पृष्ठभूमि के प्रति पूर्वाग्रह रखे बिना सकारात्मक संबंध स्थापित करने की योग्यता होती है। वे स्वयं का और दूसरों का सम्मान करते हैं। एक शिक्षक के रूप में, आपका युवा छात्र–छात्राओं के आत्मसम्मान पर महत्वपूर्ण प्रभाव हो सकता है; अपनी इस शक्ति के बारे में जानें और प्रत्येक छात्र के अंदर आत्मसम्मान विकसित करने के लिए उसका प्रयोग करें।

- **लचीलापन:** यदि कोई विधि या गतिविधि आपकी कक्षा में किसी विशिष्ट छात्र–छात्रा, समूह या व्यक्ति के लिए काम नहीं कर रही है तो अपनी योजनाओं में बदलाव करने या गतिविधि को रोकने के लिए तैयार रहें। लचीली दृष्टि रखने से आप समायोजन करने में सक्षम होंगे जिससे आप अधिक प्रभावी ढंग से सभी छात्र–छात्राओं को सहभागी बना सकते हैं।

हर समय आपके द्वारा अपनाए जा सकने वाले दृष्टिकोण

- **अच्छा व्यवहार प्रस्तुत करना:** जातीयता, धर्म या लिंग का भेदभाव किए बिना अपने छात्र–छात्राओं के साथ अच्छे ढंग से व्यवहार कर उनके सामने आदर्श प्रस्तुत करें। सभी छात्र–छात्राओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें और अपने शिक्षण के माध्यम से यह बात स्पष्ट करें कि आप सभी छात्र–छात्राओं को एक समान महत्व देते हैं। उन सभी के साथ सम्मान से बात करें, उनके विचार उपयुक्त होने पर उसे महत्व दें और उन्हें सभी के लिए लाभप्रद कार्य लेने के द्वारा कक्षा के लिए जिम्मेदारी उठाने को प्रोत्साहित करें।
- **अधिक उम्मीदें:** योग्यता सीमित नहीं होती है; यदि छात्र–छात्राओं को उचित सहायता मिले तो वे सीख सकते हैं और प्रगति कर सकते हैं। यदि किसी छात्र को आपके द्वारा कक्षा में की जा रही गतिविधि समझने में मुश्किल हो रही है तो ऐसा न समझें कि वे अब कभी भी जान और समझ नहीं सकते। एक शिक्षक के रूप में आपकी भूमिका बेहतरीन ढंग से प्रत्येक छात्र–छात्रा को सीखने में मदद करने की होनी चाहिए। यदि आप अपनी कक्षा के प्रत्येक छात्र से अधिक उम्मीद करते हैं तो आपके छात्र–छात्राओं में यह प्रबल धारणा बन सकती है कि यदि वे डटे रहते हैं तो अधिक सीखेंगे। अधिक उम्मीदें व्यवहार में भी दिखनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि उम्मीदें स्पष्ट हैं और छात्र–छात्रा एक दूसरे से सम्मानजनक व्यवहार करते हैं।
- **अपने शिक्षण में विविधता लाएं:** छात्र–छात्रा अलग–अलग तरीकों से सीखते हैं। कुछ छात्र–छात्राओं को लिखना पसंद होता है; तो कुछ अन्य को अपने विचार निरूपित करने के लिए माइंड मैप या चित्र बनाना अच्छा लगता है। कुछ छात्र–छात्रा अच्छे श्रोता होते हैं; कुछ अन्य तब सर्वश्रेष्ठ ढंग से सीखते हैं जब उन्हें अपने विचार के बारे में बात करने का अवसर प्राप्त होता है। आप हर समय सभी छात्र–छात्राओं के अनुरूप नहीं कर सकते हैं लेकिन आप अपने शिक्षण में विविधता पैदा कर सकते हैं और छात्र–छात्राओं को उनके द्वारा किए जा सकने के लिए कुछ अधिगम गतिविधियों में से अपना विकल्प चुनने का अवसर दे सकते हैं।
- **रोजमर्रा की जिंदगी से अधिगम को जोड़ें:** कुछ छात्र–छात्राओं को वे बातें अपने रोजमर्रा की जिंदगी के लिए अप्रासंगिक लग सकती हैं जिन्हें आप उनसे सीखने के लिए कहते हैं। आप इसे यह सुनिश्चित करने के द्वारा संबोधित कर सकते हैं कि जब भी संभव हुआ आप उस अधिगम को उनके लिए प्रासंगिक संदर्भ से जोड़ कर दिखाएंगे और आप उनके खुद के अनुभव से उदाहरण द्वारा निरूपित करेंगे।
- **भाषा का उपयोग:** अपने द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषा को लेकर सचेत रहें। सकारात्मक और प्रशंसात्मक भाषा का प्रयोग करें, छात्र–छात्राओं का उपहास न उड़ाएं। हमेशा उनके व्यवहार पर टिप्पणी करें, न कि स्वयं उन पर। 'तुम मुझे आज परेशान कर रहे हो' जैसे वाक्य बेहद व्यक्तिगत प्रकार के होते हैं, इसके बजाय आप इसे 'आज मुझे तुम्हारा व्यवहार कष्टप्रद लग रहा है। क्या कोई कारण है जिसके चलते ध्यान केंद्रित करने में तुम्हें मुश्किल हो रही है?' के रूप में बेहतर ढंग से व्यक्त कर सकते हैं।
- **रूढ़िवादिता को चुनौती दें:** उन संसाधनों का पता लगाएँ और प्रयोग करें जो लड़कियों को गैर-रूढ़िवादी भूमिकाओं में प्रस्तुत करता है या वैज्ञानिक आदि अनुकरणीय महिलाओं को विद्यालय में आने के लिए निमंत्रित करें। लिंग को लेकर आप अपनी खुद की रूढ़िवादिता के प्रति सचेत रहें; आप जानते हैं कि लड़कियां खेलकूद के क्षेत्र में भी भाग लेती हैं

वहीं लड़के देखभाल वाले कार्यों में भी पाए जाते हैं, लेकिन प्रायः हम इन्हें अलग ढंग से व्यक्त करते हैं, क्योंकि हम इसी तरीके से समाज में बात करने के अभ्यस्त होते हैं।

- **एक सुरक्षित, सुखद अधिगम वातावरण का निर्माण करें:** यह जरूरी है कि सभी छात्र–छात्रा विद्यालय में सुरक्षित और प्रसन्नचित्त महसूस करें। आप ऐसी स्थिति में होते हैं जिसमें आप अपने छात्र–छात्राओं को एक दूसरे के लिए परस्पर सम्मान और मित्रतापूर्ण व्यवहार के लिए प्रोत्साहित कर प्रसन्नचित्त महसूस करा सकें। इस बात पर विचार करें कि अलग–अलग छात्र–छात्राओं के लिए विद्यालय और कक्षा को किस तरह विशिष्ट बनाया जा सकता है। इस बारे में सोचें कि उन्हें कहां बैठने के लिए कहा जाना चाहिए और सुनिश्चित करें कि दृश्य या श्रवण बाधा या शारीरिक अक्षमता वाला कोई भी छात्र–छात्रा अपना पाठ पढ़ने और सीखने के लिए कहां बैठ सकता है। इस बात की जाँच करें कि शर्मीले स्वभाव या आसानी से विचलित होने वाले छात्र–छात्राओं को आप किस तरह आसानी से अपनी गतिविधियों में शामिल कर सकते हैं।

विशिष्ट शिक्षण दृष्टिकोण

ऐसे कई विशिष्ट दृष्टिकोण हैं जिनसे आपको सभी छात्र–छात्राओं को शामिल करने में मदद मिलेगी। इन्हें अन्य प्रमुख संसाधनों में और अधिक विस्तार से वर्णित किया गया है लेकिन यहां संक्षिप्त परिचय दिया जा रहा है:

- **प्रश्न पूछना:** यदि आप छात्र–छात्राओं को हाथ खड़े करने के लिए कहते हैं तो वही छात्र जवाब देने को प्रवृत्त होते हैं। ऐसे कई अन्य तरीके भी हैं जिनसे जवाबों के बारे में सोचने और प्रश्नों पर विचार करने के लिए अधिक छात्र–छात्राओं को शामिल किया जा सकता है। आप विशिष्ट छात्र–छात्राओं से प्रश्न पूछ सकते हैं। कक्षा से कहें कि आप यह निर्णय लेंगे कि कौन उत्तर देगा, फिर आप सामने बैठे हुए छात्र–छात्राओं की अपेक्षा कक्षा में पीछे या किनारे में बैठे छात्र–छात्राओं से प्रश्न पूछें। छात्र–छात्राओं को 'सोचने के लिए समय' दें और विशिष्ट छात्र–छात्राओं से अपना योगदान देने के लिए कहें। विश्वास का निर्माण करने के लिए जोड़ी या समूहकार्य का प्रयोग करें ताकि आप संपूर्ण कक्षा चर्चा में हरेक को शामिल कर सकें।
- **मूल्यांकन:** रचनात्मक मूल्यांकन के लिए तकनीकों की श्रृंखला विकसित करें, इनसे आपको हरेक छात्र–छात्रा को बेहतर ढंग से जानने में मदद मिलेगी। छिपी प्रतिभाओं और खामियों को उजागर करने के लिए आपको रचनात्मक होने की जरूरत है। कुछ छात्र–छात्राओं एवं उनकी योग्यताओं के बारे में सामान्यीकृत विचारों के कारण कुछ धारणाएँ बन जाती हैं जबकि रचनात्मक मूल्यांकन आपको सटीक जानकारी देगा। तब आप उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं पर विचार के लिए बेहतर स्थिति में होंगे।
- **समूह कार्य एवं जोड़ी में कार्य:** सभी छात्र–छात्राओं को शामिल करने और उन्हें एक दूसरे को महत्व देने के लिए प्रोत्साहित करने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर इस बात पर सावधानीपूर्वक विचार करें कि किस तरह आप अपनी कक्षा को समूह में विभाजित कर सकते है या उनमें जोड़े बना सकते हैं। सुनिश्चित करें कि सभी छात्र–छात्राओं को एक दूसरे से सीखने और अपनी सीखी बातों पर विश्वास का निर्माण करने के लिए अवसर प्राप्त है। कुछ छात्र–छात्राओं में एक छोटे समूह में अपने विचारों को व्यक्त करने और प्रश्न पूछने के लिए आत्मविश्वास होगा किंतु हो सकता है कि संपूर्ण कक्षा के सामने उन्हें अपने को खड़ा करने में झिझक हो।
- **विशिष्टीकरण:** अलग–अलग समूहों के लिए अलग–अलग कार्य निर्दिष्ट करने से छात्र–छात्राओं को अपनी सीखी हुई जगह से शुरू करने और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। समाप्ति रहित कार्य निर्धारित करने से सभी छात्र–छात्राओं को सफल होने का अवसर प्राप्त होगा। छात्र–छात्राओं को विभिन्न कार्यों में विकल्प प्रदान करने से उन्हें उस कार्य के प्रति उत्तरदायित्व का अहसास करने और अपने अधिगम के लिए जवाबदेही लेने में मदद मिलेगी। व्यक्तिगत अधिगम आवश्यकताओं का ध्यान रखना कठिन होता है, खास तौर पर बड़ी कक्षा में लेकिन अलग–अलग कार्यों और गतिविधियों का उपयोग कर इसे किया जा सकता है।

अतिरिक्त संसाधन

- RVEC Bangalore: http://www.rvec.in/
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Graham, J. and Kelly, A. (2010) *Writing under Control: Teaching Writing in the Primary School*, 3rd edn. London: Routledge.

Graves, D. (2003) *Writing: Teachers and Children at Work*. Portsmouth: Heinemann.

Graves, D. (1994) *A Fresh Look at Writing*. Portsmouth: Heinemann.

O'Sullivan. O. (2007) *Understanding Spelling*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Smith, F. (1994) *Writing and the Writer*. London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा लाइसेंस के अंतर्गत ही इस प्रोजेक्ट में उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons Licence से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि यह सामग्री अपरिवर्तित रूप से केवल TESS-India प्रोजेक्ट में ही उपयोग की जा सकती है और यह किसी अनुवर्ती OER संस्करणों में उपयोग नहीं की जा सकती। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस इकाई में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतारूपी आभार किया जाता है:

चित्र 1: Mother Dairy trademark, http://www.motherdairy.com (Figure 1: Mother Dairy trademark, http://www.motherdairy.com.)।

चित्र 2: कुर्सी, http://appfinder.lisisoft.com/app/my-first-100-words-in-hindi.html; शौचालय चिन्ह, http://www.ispeakhindi.com/2009/04/08/airport-signs-in-india/; रुकने का चिन्ह, http://signs.kiev.ua/ (Figure 2: chair, http://appfinder.lisisoft.com/app/my-first-100-words-in-hindi.html; toilet sign, http://www.ispeakhindi.com/2009/04/08/airport-signs-in-india/; stop sign, http://signs.kiev.ua/.)।

चित्र 3: बायाँ: http://www.etsy.com/; दायाँ: http://giedd-kindergarten.blogspot.co.uk/ (Figure 3: left: http://www.etsy.com/; right: http://giedd-kindergarten.blogspot.co.uk/)।

चित्र 4: बायाँ: अविवा वेस्ट (फ्लिकर) द्वारा *टाइम्स* (भारत) का चित्र; बीच में: चित्र सौजन्य ब्लूमबर्ग विद्यालय ऑफ़ पब्लिक हेल्थ/सेंटर फॉर कम्युनिकेशन प्रोग्राम्स का मेडिकल मटेरियल्स क्लीयरिंगहाउस; दायाँ: *बर्फ़ी* फिल्म पोस्टर, http://infinitymoviez.blogspot.co.uk/ (Figure 4: left: photo of Times (India) by Aviva West (Flickr); middle: photo courtesy of the Medical Materials Clearinghouse at the Johns Hopkins University Bloomberg School of Public Health/Center for Communication Programs; right: *Barfi* film poster, http://infinitymoviez.blogspot.co.uk/.)।

चित्र 5: http://www.thecurriculumcorner.com/2012/07/24/read-the-room-classroom-labels/ (Figure 5: http://www.thecurriculumcorner.com/2012/07/24/read-the-room-classroom-labels/.)।

चित्र R1.1: http://tcnj.pages.tcnj.edu/ (Figure R1.1: http://tcnj.pages.tcnj.edu/.)।

चित्र R1.2: http://nicadez.blogspot.co.uk/2013/02/the-importance-of-word-walls.html (Figure R1.2: http://nicadez.blogspot.co.uk/2013/02/the-importance-of-word-walls.html.)।

चित्र R1.3: http://usf.vc/updates/driving-change-through-rural-education-in-india/ (Figure R1.3: http://usf.vc/updates/driving-change-through-rural-education-in-india/.)।

चित्र R1.5: http://schools.cbe.ab.ca/ b233/ showcase.htm (Figure R1.5: http://schools.cbe.ab.ca/ b233/ showcase.htm.)।

चित्र R1.6: http://www.kinderbykim.com/ (Figure R1.6: http://www.kinderbykim.com/.)।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।